भरतनाट्यम (तमलिनाडु)

Drishti IAS

भरतनाट्यम (तमिलनाडु)

नृत्य का सबसे प्राचीनतम रूप

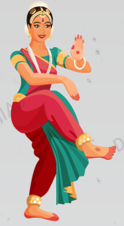

उत्पत्ति

- सादिरः मंदिर नर्तकों या देवदासियों की एकल नृत्य प्रस्तुति।
- इसे 'दाशीअट्टम' भी कहा जाता है।

उल्लेख

- नंदिकेश्वर की रचना अभिनय दर्पण में।
- प्राचीन काल के चित्रों तथा पाषाण एवं धातु की मूर्तियों में। उदाहरण- चिदंबरम मंदिर के गोपुरम।

नृत्य के 7 प्रमुख अवयव

अलारिप्पू
- आधारभूत नृत्य मुद्राएँ
- लयबद्ध शब्दांश
- यह ईश्वर का आशीर्वाद प्राप्त करने का प्रतीक है।

जातिस्वरम
- नृत्य घटक
- अभिव्यक्तिरहित
- विभिन्न मुद्राएँ तथा हरकतें

शब्दम्
- अभिव्यक्त शब्दों के साथ नाटकीय तत्त्व
- ईश्वर की प्रशंसा

वर्णम्
- नृत्य घटक
- नृत्य और भावनाओं का संयोजन
- कहानी व्यक्त करने के लिये ताल और राग के साथ तालमेल

पद्म
- आध्यात्मिक संदेश का अभिनय (अभिव्यक्ति)
- हल्का संगीत
- भावनात्मक नृत्य

जावली
- लघु प्रेमगीति
- तीव्र गति के साथ प्रस्तुत

थिल्लन
- प्रस्तुतिकरण की समापन अवस्था
- विशुद्ध नृत्य

– नृत्य पाठ करने वाले व्यक्ति को **नट्टुवनार** कहते हैं।

– **भरतनाट्यम** को प्रायः **'अग्नि नृत्य'** के नाम से भी जाना जाता है। इसमें अधिकाँश मुद्राएँ **लहराती हुई आग की लपटों के सदृश** दिखती हैं।

– भरतनाट्यम को **एकचर्य भी कहा जाता है**, जिसमें एक ही नर्तक बहुत-सी अलग-अलग भूमिकाओं को निभाता है।

– **तांडव** तथा **लास्य** दोनों पक्षों पर समान बल।

– **मुख्य मुद्राः कटखामुख हस्त**, जिसमें तीन अंगुलियों को जोड़कर **'ॐ'** का प्रतीक निर्मित किया जाता है।

- **वाद्ययंत्रः मृदंगम, वायलिन या वीणा, बाँसुरी, झांझ।**
- **एकल महिला, पुरुष और नर्तक समूहों द्वारा प्रदर्शन।**
- **भरतनाट्यम के प्रमुख समर्थकः रुक्मिणी देवी अरुन्डेल, यामिनी कृष्णमूर्ति, लक्ष्मी विश्वनाथन, पद्मा सुब्रह्मण्यम मृणालिनी साराभाई, मल्लिका साराभाई आदि।**

[और पढ़ें...](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/bharatnatyam-tamil-nadu-